people connections. Importantly, the magazine was never limited to any specific community. It represented India's shared heritage and diversity. Given its historical significance and the growing importance of cultural diplomacy, I urge upon the Government of India and the ICCR to take steps to revive *'Thaqafatul Hind'*. Its republication will reinforce India's intellectual and cultural presence in the Arab world, contributing to deeper mutual understanding and stronger bilateral relations.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Shri Gulam Ali: Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland) and Shrimati Darshana Singh (Uttar Pradesh).

उपसभाध्यक्ष (श्री घनश्याम तिवाड़ी): श्री एम. शनमुगम - अनुपस्थित। श्री संजय सेठ - अनुपस्थित। श्रीमती रजनी अशोकराव पाटिल - अनुपस्थित। डा. मु. तंबी दुरै - अनुपस्थित। श्री नरेश बंसल।

Demand for celebrating festivals based on Hindu deities at international level

श्री नरेश बंसल (उत्तराखंड): उपसभाध्यक्ष महोदय, भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है व विश्व में अपनी सनातन पहचान बिखेर रहा है। वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न जीवों, अवधारणा, प्रसिद्ध लोगों, धार्मिक कारकों के लिए कई दिन और सप्ताह मनाए जाते हैं। ये सभी दिन संयुक्त राष्ट्र संगठन द्वारा अनुमोदित हैं। हमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दू देवताओं पर उत्सव दिवस मनाने के लिए आवेदन करना होगा। हिन्दू धर्म में भगवान (ईश्वर) की कई प्रसिद्ध जन्म तिथियाँ हैं, जैसे श्री राम नवमी, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, श्री हनुमान जयंती आदि, जिन्होंने मानव रूप में जन्म लिया और जो लोगों को मानवता के बारे में मार्गदर्शन करने के लिए पृथ्वी पर आए। हमें इन दिनों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाना होगा। प्राचीन हिन्दू धर्म पर अनेक मूर्तियाँ, पुस्तकें, धर्म ग्रंथ, संगीत, तस्वीरें, कविता आदि उपलब्ध हैं। यहाँ प्रसिद्ध वेद, उपनिषद, पुराण, महाभारत, भगवद्गीता उपलब्ध हैं। इनसे पूरी दुनिया हिन्दू धर्म की सकारात्मकता से अवगत होगी। ये 'नए भारत' के प्रतीक होंगे। यह 'आजादी का अमृत महोत्सव' के बड़े उत्सवों में से एक है। अमृत काल की नई अवधारणा में यह इस दिशा में एक उज्ज्वल कदम है। साथ ही, ये हमारे देश की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' अवधारणा का भी समर्थन करते हैं। इस तरह की पहल इतिहास में पहली बार किसी देश द्वारा होगी, यह दुनिया भर में बड़ा ऐतिहासिक कदम होगा। यह कदम दुनिया के सभी देशों के लिए पथ प्रदर्शक होगा। मेरी सरकार से यह माँग है कि इस पर ध्यान दिया जाए। धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Shri

Naresh Bansal: Dr. Sikander Kumar (Himachal Pradesh) and Shrimati Darshana Singh (Uttar Pradesh).

उपसभाध्यक्ष (श्री घनश्याम तिवाड़ी) : श्री नीरज डांगी - अनुपस्थित। श्री तिरुची शिवा - अनुपस्थित। सुश्री स्वाति मालिवाल।

Concern over quality of processed food and its impact on health in India

सुश्री स्वाति मालिवाल (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): उपसभाध्यक्ष महोदय, आजकल processed food और street food में घटिया क्वालिटी के ingredients का बेहिचक इस्तेमाल हो रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि palm oil का इस्तेमाल लगभग हर snack, biscuit, namkeen और packaged item में हो रहा है। यह सस्ता ज़रूर है, लेकिन सेहत के लिए बेहद हानिकारक है। इससे heart problems, diabetes और मोटापा बढ़ रहा है। मोमोज़ अब फैक्ट्रियों में बनते हैं, जहाँ hygiene का अभाव रहता है। हाल ही में मोहाली की एक फैक्ट्री में छापे के दौरान एक कुत्ते का शव मिला। अब तो paneer के नाम पर palm oil से बना नकली paneer भी बिक रहा है, यह लोगों की सेहत और भरोसे के साथ खिलवाड़ है। जो कंपनियाँ विदेश में sunflower oil का इस्तेमाल करती हैं, वही भारत में palm oil और synthetic flavours इस्तेमाल कर रही हैं। ये कहीं से भी ठीक नहीं है। एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के कई packaged food, WHO के मानकों के खिलाफ हैं। मैं सरकार से इस मुद्दे पर सख़्त कार्रवाई की माँग करती हूँ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): The hon. Member, Shri A. A. Rahim (Kerala), associated himself with the Special Mention raised by the hon. Member, Ms. Swati Maliwal.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): Now, Shrimati Jebi Mather Hisham.

Demand for measures to curb the escalating menace of stray dogs

SHRIMATI JEBI MATHER HISHAM (Kerala): Sir, I draw attention to the escalating menace of stray dogs in Kerala, which has reached alarming proportions. Recently, schools and Anganwadis in Kozhikode district of the State were compelled to declare holidays due to the threat posed by stray dogs, with children particularly vulnerable to attacks.

Over the past five years, Kerala has witnessed a significant surge in stray dog related incidents. In 2024 alone, 3,16,793 dog bite cases were reported, a stark increase from 1,60,483 cases in 2020. Tragically, 94 individuals succumbed to rabies